

अबरे घुपाता नही, छापाता है

# शाह टाइम्स

बोली, शुक्रवार 8 मई 2026 बोली संस्करण: वर्ष 23 अंक 157 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00



विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें: मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com

चेन्नई कृष्ण पक्ष 6 विक्रमी सम्वत् 2083

20 जितकथा 1447 जित्त

नई दिल्ली, गुजरात, देहरादून, हदगाँव, मुद्रावहार, बोली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित



ऑपरेशन सिंदूर: कांग्रेस ने सरकार की नीतियों की आलोचना की



विनेश फोगाट एशियन गेम्स 2026 के सिलेक्शन ड्रायल के लिए अयोग्य: WFI



वीडियो बनाने की बजाय जान बचाना जरूरी



टम्प को झटका, होर्मुज में फसे 1600 जहाज, शिपिंग कंपनियों को हो रहा नुकसान

## संक्षिप्त समाचार

**विस चुनावों व उपचुनावों को लेकर लागू आदर्श आचार संहिता हटाई गई**  
नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने विधानसभाओं के चुनावों और उपचुनावों के संबंध में लागू आदर्श आचार संहिता गृहकार्य को हटाने की घोषणा की। आयोग ने अरुण, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और केंद्र शासित प्रदेशों के विधानसभा के आम चुनाव और राजस्थान, कर्नाटक, महाराष्ट्र, नागालैंड और मिजोरम में कुल सात विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनावों के कार्यक्रम की घोषणा करते हुए 15 मई से आदर्श आचार संहिता लागू की थी। आयोग ने गृहकार्य को जारी एक अधिसूचना में इन राज्यों के संबंध में लागू आचार संहिता को तत्काल प्रभाव से हटाने की घोषणा की।

**दिल्ली-पटना फ्लाइट टर्बुलेंस में फंसी, लोग चिल्लाए**  
नई दिल्ली। उत्तर, मध्य और दक्षिण भारत में बारिश का दौर जारी है। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश में बुधवार को बारिश हुई। वहीं बिहार, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश में ओले भी गिरे। बिहार के पटना में अंधार रात जारी बारिश हुई। इसी बीच इंडिगो की एक फ्लाइट टर्बुलेंस में फंसी गई, जिससे यात्रियों में चोखू फूकरा मच गया था। हालांकि बाद में इसे लखनऊ वापस कर दिया गया। सभी यात्री सुरक्षित हैं। उत्तर प्रदेश में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से नीचे आ गया है। उत्तराखंड में केंद्रशासित प्रशासन के केंद्रों की चांदनीय पर लगातार कोस दिवस बर्फबारी हुई।

**रिवल्टेज CGST अफसर व कंस्ट्रक्टर ऑपरेशन रिफ्टार**  
नई दिल्ली। सीबीआई ने गुजरात को उत्तर प्रदेश के मेरठ में केंद्रित करतूत चलाया है। (सीबीआई) के एक अधीक्षक और उनके कार्यालय में कार्यरत एक कंस्ट्रक्टर ऑपरेशन को रिवल्टेज के मामलों में गिरफ्तार किया। सीबीआई ने गुजरात को सीबीआई के कार्यालय के केंद्रित ऑपरेशन चलाया है।

**यूआरपी सीमा से आए उग्रवादियों ने मणिपुर**  
नई दिल्ली। मणिपुर के केमजोंग जिले में भारत-म्यांमार सीमा के पास गुजरात सुबह इधियावर्क उग्रवादियों ने कई गांवों पर हमला किया। कई घरों में आग लगा दी गई। लोग जान बचाकर जंगलों में भाग गए। पुलिस के मुताबिक, हमला सुबह करीब चार बजे हुआ। उग्रवादियों ने केमजोंग खल्लिन थाना क्षेत्र के तांगखुल नागा गांव नामली, बांगली और चोरो को निशाना बनाया। ये गांव अंतर्राष्ट्रीय सीमा से एक किलोमीटर से कम दूरी पर हैं।

**हलाल के दौरान भागने की कोशिश में एक बुजुर्ग महिला घायल हो गई**  
गिस बालों के मुताबिक, नामली में दो, बांगली में तीन से चार और चोरो में कई घर जलकर राख हो गए।

# सऊदी अरब का अमेरिका को एयरस्पेस देने से इन्कार

**दुबई, बार्ता**  
अमेरिका ने 4 मई को होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही शुरू करने के लिए 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' शुरू किया था। हालांकि एक दिन बाद ही ट्रम्प ने इसे रोकने का आदेश दिया। तब ट्रम्प ने कहा था कि पाकिस्तान के कहने पर उन्होंने यह ऑपरेशन रोक दिया है। हालांकि अब यह दावा किया जा रहा है कि सऊदी अरब को बजट से अमेरिका को यह कदम उठाना पड़ा। सऊदी अरब ने इस मिशन में शामिल अमेरिकी विमानों से अपने एयरस्पेस और एयरबेस से इस्तेमाल किया जा रहा है कि ट्रम्प ने अचानक सीएसए को इजाजत देने से इन्कार कर दिया। अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से रिपोर्टों में कहा गया है कि ट्रम्प ने अचानक सीएसए को इजाजत देने से इन्कार कर दिया था। इससे खाड़ी के सहयोगी देश चीन को पाकिस्तान लीडरशिप देकर इराजत हो गया। ट्रम्प ने सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से बातचीत भी की, और आखिरकार ट्रम्प को यह ऑपरेशन रोकना पड़ा।

# पश्चिम बंगाल गवर्नर ने की विधानसभा भंग

**नोटिफिकेशन जारी, ममता कैबिनेट के किसी भी मंत्री के पास अब कोई पावर नहीं**  
कोलकाता/चेन्नई, बार्ता  
आज होगी भाजपा विधायक दल की बैठक  
तमिलनाडु के राज्यपाल ने विजय को दूसरी बार राजभवन से वापस भेजा, 118 विधायक लाओ, तभी होगी शपथ

**पश्चिम बंगाल की राजनीति से जुड़ा एक बड़ा संवैधानिक निर्णय सामने आया है। राज्यपाल आरुण राव ने राज्य विधानसभा को भंग करने का आदेश जारी कर दिया है।**  
लोक भवन, पश्चिम बंगाल की ओर से जारी प्रेस विज्ञापन के अनुसार, यह आदेश भारत के संविधान के अनुच्छेद 174(2)(3) के तहत शक्ति का अनुसरण जारी किया गया है। जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि पश्चिम बंगाल विधानसभा की 7 मई 2026 से प्रभावी रूप से भंग कर दिया गया है। लोक भवन संवैधानिक प्रशासन के तहत लिया गया है। लोक भवन की अधिसूचना में कहा गया है कि यह निर्णय संविधान के अनुच्छेद 174(2)(3) के तहत राज्यपाल की प्राण अतिरिक्त के आधार पर लिया गया है। इसी बीच कोलकाता में शुरुआत को भाजपा विधायक दल की बैठक होने जा रही है। इस बैठक को बंद करने का आदेश जारी है। वहीं, तमिलनाडु में सऊदी के गठन पर फैसला फिलहाल अटक हुआ है। टीवी के प्रमुख विजय ने कांग्रेस के समर्थन के साथ राजभवन के पास विधायक टीवी के साथ आ, लेकिन इसके बाद भी आंकड़ा केवल 112 तक पहुंच पाया। यानी बहुमत के जाही आंकड़े 118 से अभी भी छह विधायक कम हैं। यही वजह है कि राज्यपाल ने फिलहाल शपथ ग्रहण को लेकर कोई भी इंडी नहीं दी है।

# मैंने ममता को हराया, इसलिए हुई पीए की हत्या: सुवेदु अधिकारी

**कोलकाता।** भाजपा नेता सुवेदु अधिकारी ने गुजरात को कहा कि उनके परंपरा अहिंसक चंद्रनाथ थरु की हत्या इसलिए हुई, क्योंकि उन्होंने ममता को हराया था। सुवेदु ने कहा कि इस हत्या को जिस तरह से अंधा दिया गया, उसकी विनती भी सिर्फ यह कह कम है। हत्या की वजह 'व्यंग्यपूर्ण' से ममता को हरा सकना है।  
उभर चंद्रनाथ थरु को ममता कि इस हत्या का बदला भी देते की हत्या कर लिया गया। कुछ नेताओं ने पहले धमकी दी थी कि 4 तरीके के बाद कोई बचा नहीं जाएगा। हलवालों ने थरु की भांडी का सात कि रथ को चार गोलियों लगीं थीं।

# दिल्ली में महिलाओं-बुजुर्गों के खिलाफ सबसे ज्यादा अपराध

**शाह टाइम्स ब्यूरो**  
नई दिल्ली। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने साल 2024 में देश में हुए क्राइम को रिपोर्ट जारी की है। इसके मुताबिक राजधानी दिल्ली में महिलाओं और बुजुर्गों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता बनी हुई है।  
रिपोर्ट बताती है कि 2024 में मेरठ शहरों में दिल्ली महिलाओं के खिलाफ होने वाले क्राइम को रिपोर्ट कर रहे हैं। 2024 में महिलाओं के खिलाफ 13,396 मामले दर्ज किए गए, जो 2023 में 13,366 थे। तमिलनाडु में महिलाओं के खिलाफ अपराध

नीति आयोग ने शिक्षा की गुणवत्ता सुधार को व्यापक रूप से खारिजी कर दिया। नीति आयोग ने देश की स्कूली शिक्षा व्यवस्था पर एक महत्वपूर्ण रिपोर्ट जारी करते हुए शिक्षा की गुणवत्ता सुधार के लिए व्यापक नीतिगत रूपरेखा पेश की है। 'भारत में स्कूली शिक्षा प्रणाली: गुणवत्ता संबंधी रिपोर्ट' में शिक्षा के लिए सामूहिक विशेषज्ञता और नीतिगत रूपरेखा' शीर्षक से जारी रिपोर्ट को नीति आयोग के अध्यक्ष सुब्रह्मण्यम ने आलोचना की।

**यूपी देश की अर्थव्यवस्था का ग्वांथ इंजन बना: मुख्यमंत्री योगी**  
नसलीम कुश्री



**देवबन।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश अब वीणाक राज्य नहीं बल्कि देश की अर्थव्यवस्था का प्रोथ इंजन बन चुका है। सरकार बिना भेदभाव के हर वर्ग तक विकास पहुंचाने का काम कर रही है। योगी आदित्यनाथ हाईवे स्मिथ सिस्टर पैराडाइज के निक्ट सारसंग पर 2,131 करोड़ रुपये की लागत से 325 परिवोजनाओं के साथ ही विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को चक व निरुद्धि अंडरपास के पास उस समय हुई, जब पुलिस टीम संधिच वाइक सवारों की संचालित कर रही थी। पुलिस को अखत हो बदमाशों ने यू-टर्न लेकर भागने का प्रयास किया, लेकिन वाइक फिसल गई। इसके बाद दोनों बदमाशों ने पुलिस टीम पर आतंकीय हमला किया। शुक कर दी जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाश गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

**मोदी ने एक्स पर डिस्को तस्वीर बदली**  
नई दिल्ली। पीएम मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर की पहली तस्वीर पर अपने सोशल मीडिया एक्स को डिस्को तस्वीर बदलकर 'ऑपरेशन सिंदूर' कर ली है और सैनिकों के पाकक्रम और देशभक्ति को प्रकट कराया है। पीएम मोदी ने भारतीय सशस्त्र बलों के शौर्य और बहादुरी को नमन करते हुए एक्स पर लिखा कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत को मिली आसाधारण विजय हमारे वीर सैनिकों के अतृप्य प्रयास और देशभक्ति की प्रकट प्रकृत है। उनके अतृप्य साहस, दृढ़ संकल्प और कर्तव्यनिष्ठा पर हर अति अति प्रशंसा की गई है।

# हर धार्मिक प्रथा को चुनौती गलत: सुप्रीम कोर्ट

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने गृहकार्य को कहा कि अगर लोग धार्मिक अनुष्ठानों और धर्म के मामलों को अडलते हैं तो चुनौती देने लगे, तो उनसे धर्म और समाज पर असर पड़ सकता है।  
कोर्ट ने कहा कि इससे सेक्युंडर यांत्रिकता आगे और हर धर्मिण पर सवाल उठाने लगे। हर धर्मिण ने जहाँ की अनुष्ठानों को धर्म के अलावा अतिरिक्त धर्म के धार्मिक आजादी के दायरे और महिलाओं के

# चुनावों के दौरान जब की 1440 करोड़ की नकदी: चुनाव आयोग

**नई दिल्ली।** चुनाव आयोग ने गुजरात को बताया कि हाल के विधानसभा चुनावों और उपचुनावों को पास 144 और प्रत्येक में मुक्त रखने की उम्मीद सकारात्मक और कारगर है। कुल 1444 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी, सराव, नशीले द्रव्य, कोर्टों सामान और उपहार को बन्दूक जव की गई। आयोग के अनुसार जब बा जव धन और अन्य संधिच सामान इन राज्यों में 2021 चुनावों के दौरान ही गई जबकी को तुलना में 40.14 प्रतिशत अधिक है। डिस्को चुनावों में 1029.93 करोड़ रुपये की जबकी गई थी।

# ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद के विरुद्ध दृढ़ प्रतिक्रिया: मोदी

**नई दिल्ली।** पीएम मोदी ने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद के खिलाफ भारत को दृढ़ प्रतिक्रिया और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दिखाता है।  
पीएम मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर की पहली वगैरह पर गुजरात को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि पूरा गुजरात हमारे बलों के सलाम करता है। एक बंधे पहले हमारे सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अतिरिक्त साहस, सटीकता और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया था। उन्होंने उन लोगों को कारा

# साल 2024 में महिलाओं के खिलाफ 13,396 केस दर्ज

**तमिलनाडु में 2023 की तुलना में 1.5 फीसदी कम क्राइम**  
नरक, देश में बुजुर्गों के खिलाफ अपराधों में चिंता बनी हुई है। 2024 में कुल 32,402 मामले दर्ज किए गए, जो 2023 के मुकाबले 16.9 फीसदी ज्यादा है। महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता बनी हुई है। 2024 में 1.5 फीसदी कम क्राइम दर्ज की गई। महिलाओं के खिलाफ अपराध का दर 2023 में 66.2 से घटकर 2024 में 64.6 हो गया।

# ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद के विरुद्ध दृढ़ प्रतिक्रिया: मोदी

**नई दिल्ली।** पीएम मोदी ने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद के खिलाफ भारत को दृढ़ प्रतिक्रिया और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को दिखाता है।  
पीएम मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर की पहली वगैरह पर गुजरात को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि पूरा गुजरात हमारे बलों के सलाम करता है। एक बंधे पहले हमारे सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अतिरिक्त साहस, सटीकता और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया था। उन्होंने उन लोगों को कारा





















## अराजक स्थिति

4 मई को हुई मतगणना के बाद से ही शुरू हुई हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। पांच लोगों की अब तक जान जा चुकी है। जिसमें भाजपा नेता सुवेन्दु अधिकारी के पर्सनल असिस्टेंट चंद्रनाथ रथ की बुधवार देर रात 10:30 बजे हत्या भी शामिल है। सुवेन्दु अधिकारी ने भवानीपुर में ममता बनर्जी को हराया था। अब यह राजनीतिक हत्या है या कोई अन्य कारण यह तो जांच के बाद ही पता चलेगा, लेकिन गुरुवार को सुवेन्दु अधिकारी ने कहा है कि उनके पीए की हत्या इसलिए हुई क्योंकि उन्होंने ममता बनर्जी को हराया। चंद्रनाथ रथ की मां ने भी इसी तरह का बयान दिया है और कहा है कि हार का बदला मेरी बेटे की हत्या कर लिया गया है। उनके अनुसार कुछ नेताओं ने पहले धमकी दी थी कि 4 तारीख के बाद कोई बच नहीं जाएगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आया है कि चंद्रनाथ रथ को चार गोलियां लगी हैं। अब तक इस मामले में पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में लिया है। इस बीच एक नोटिफिकेशन जारी कर राज्यपाल आरएन रवी ने पश्चिम बंगाल की विधानसभा को भंग कर दिया। लोकभवन से जारी विज्ञापन के अनुसार प्रेस विज्ञापन के अनुसार यह आदेश भारत के संविधान के अनुच्छेद 174 के तहत प्रदत्त शक्तियों के अनुसार जारी किया गया है। अधिसूचना में यह भी कहा गया है कि राज्यपाल को प्राप्त अधिकारों के आधार पर ही यह फैसला लिया गया है। इस बीच कोलकाता में आज भाजपा विधायक दल की बैठक होने जा रही है। बताया जा रहा है कि इसमें मौजूद राजनीतिक स्थिति और आगे की रणनीति पर चर्चा होगी। पीए पर जिस तरह हमलावरों ने गोली चलाई, जिसमें बताया जा रहा है कि उन्होंने दस राउंड गोलियां चलाईं। इसमें चार गोलियां चंद्रनाथ को लगी, उनके ड्राइवर बुद्धदेव को भी गोली लगने की बात सामने आई है। कहा तो यह भी जा रहा है कि हमलावर 7 किमी से उनकी कार का पीछा कर रहे थे। जिस तरह हमलावर घटनास्थल से आराम से फरार हुए और अभी तक पकड़े नहीं गए हैं, जिससे साफ है कि बंगाल की हिंसा एक नए दौर की तरफ जा रही है, क्योंकि एक दो नहीं दर्जनों स्थानों से हिंसा की खबरें आ रही हैं। बसौरहाट, बरानगर और हावड़ा जैसे क्षेत्रों से भी हिंसा के समाचार सामने आ रहे हैं। 24 परगना के पानीहाट में तो भाजपाइयों पर बम फेंकने की बात सामने आई है। यह स्थिति हमारे लोकतंत्र के लिए जग भी ठीक नहीं है।

# सियासत की अपनी अलग इक जुबां है

जना को सब्ज बाग दिखाने में पूरी महारत रखने वाले सत्ताधारी नेताओं से यदि देश के हालात के बारे में बात की जाए तो अपनी लच्छेदार बातों से यह साबित कर देंगे कि देश में चारों तरफ बागों में बहार है, जनता खुशहाल है, कानून व्यवस्था पूरी तरह चाक चौबंद है, देश भ्रष्टाचार मुक्त हो चुका है, देश में विकास की गंगा बह रही है। और यदि किसी ने सरकार की आलोचना करने की कोशिश की तो चुनाव में बार बार मिलने वाली विजय का हवाला देते हुए उल्टे उसी से यह पूछ लिया जाता है कि यदि जनता संतुष्ट नहीं तो बार बार विभिन्न राज्यों में जनादेश व जनसमर्थन सत्ता के पक्ष में क्यों?



आप चौखटे चिल्लाते रहिए कि चुनाव परिणाम को सत्ता के पक्ष में प्रभावित करने में मुख्य चुनाव आयुक्त, चुनाव आयोग, एस आई आर, इनकम टैक्स, सी बी आई, डी बी एस एफ, सी आर पी, गोदी मीडिया आदि संस्थाओं की भूमिका रही है। परन्तु आपकी शिकायत सुन कौन रहा है? याद कीजिए 2013 में, जब डॉलर के मुकाबले रूपया 60 के स्तर पर पहुंचा था उस समय नरेंद्र मोदी ने केंद्र सरकार की कड़ी आलाचना करते हुए कहा था कि रूपया की गिरती कीमत से सरकार की प्रतिष्ठा गिर रही है। तब मोदी ने रूपया की कमजोरी को यू पीए सरकार की दिशाहीन नीतियों और आर्थिक संकट का संकेत बताया था। कमजोर रूपया=कमजोर सरकार का कथन प्रचारित किया गया था। मोदी ने उस समय यह भी कहा था कि गिरते रूपये के कारण देश के व्यापारी ब्रोड नहीं सह पाएंगे और विश्व व्यापार में भारत पीछे रह जाएगा। परन्तु आज तो मोदी शासन काल में डॉलर के मुकाबले वही रूपया 95.18 तक पहुंच चुका है। परन्तु शायद आज न तो यह स्थिति सरकार की

भी सामने आई थीं। 2010 से 2014 के बीच भाजपाई यह प्रदर्शन उस दौर में कर रहे थे जबकि पेट्रोल की कीमतें 61 रूपये से लेकर 70 रूपये प्रति लीटर के करीब थीं। और घरेलू रसोई गैस की कीमत 414 के करीब थीं। उस समय कई भाजपा नेता सिलेंडर की कीमतों में वृद्धि के विरोध में सड़कों पर चूल्हे जलाकर प्रदर्शन किया करते थे। परन्तु आज पेट्रोल व डीजल कहीं 100 रूपये के करीब तो कहीं 100 रूपये पार कर चुका है। गैस का मूल्य भी 1000 प्रति सिलेंडर के करीब हो गया है। परन्तु न तो विपक्ष का हंगामा न हंगामे में शोर या उसका असर न ही ऐसी खबरों को मीडिया में कोई स्थान। आजकल तो वैसे भी ईरान इस्माईल युद्ध के चलते देश में अनेक जगहों पर गैस सिलेंडर लेने के लिए लोग लंबी लंबी कतारों में खड़े हुए हैं। गैस की घटल्ले से ब्लैक मेलिंग हो रही है। परन्तु जनता के हितों से मुख्य रूप से जुड़े ऐसे सवाल पर तो कोई चर्चा नहीं हो इस विषय पर सरकार का यह स्टैंड मीडिया जरूर प्रचारित कर देता है कि सब कुछ ठीक ठाक है।



आलोचक कहते हैं कि ऐसी योजनाएं लोगों को निटल्ला बनाती हैं। कोई कुछ भी कहता रहे परन्तु सरकार ऐसी योजनाओं को चलाकर अपनी पीठ थपथपाती है और इसके बदले इन्हीं लाभार्थियों से वोट की उम्मीद लगाए रहती है। और धन्य है देश की वह जनता भी जो आत्मनिर्भर होने या सरकार से रोजगार के अवसर मांगने के बजाए इसी 5 किलो मुफ्त राशन को ही अपना भाग्य समझकर फूले नहीं समाती। यह सफल अन्दाज-ए-सियासत की ही एक बानगी कही जाएगी कि आज जो एस टी व नोटबंदी से परेशान लोग व व्यवसाई इस विषय पर चर्चा बंद कर चुके हैं। लोक डाउन के दौर में हजारों किलोमीटर पैदल चलने वाले लोग अपना दुःख भूलने को मजबूर हो चुके हैं। मंहगाई, बेरोजगारी, स्वास्थ्य, शिक्षा व नारी स्थिता तो जैसे कोई मुद्दा ही नहीं। वास्तव में देश की राजनीति अब उस दौर में प्रवेश कर चुकी है जहां जनता के मुद्दे क्या हैं और क्या होंगे यह भी अब जनता नहीं बल्कि राजनीतिक दलों के नेता तय करते हैं। इसलिए जनता की आधारभूत जरूरतें और लो. कहितकारी बातें छोड़िए और पाकिस्तान, हिन्दू मुस्लिम, मंदिर मस्जिद, घुसपैठिया, लव जिहाद, जाति धर्म, धर्म विशेष की कथित रूप से बढ़ती जनसंख्या जैसे सत्ता द्वारा निर्धारित विषयों को ही वर्तमान राजनीति की सबसे बड़ी जरूरत स्वीकार कीजिए।

## श्रीमुख से...

### तथ्यों को भुलाया नहीं जा सकता

आंपरेशन सिंदूर के लॉन्च की पहली वर्षगांठ है और यह अवसर सशस्त्र बलों के साहस, पराक्रम और पेशेवर क्षमता को सम्मान देने का है, लेकिन इसके साथ ही कुछ महत्वपूर्ण तथ्यों को भुलाया नहीं जा सकता और उनको याद रखना भी जरूरी है, पिछले वर्ष 10 मई को युद्धविराम की पहली घोषणा अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रबियो ने की थी और इसका श्रेय राष्ट्रपति ट्रम्प के हस्तक्षेप को दिया गया था, उनका कहना था कि उसके बाद ही ट्रम्प ने विभिन्न मंचों पर सैन्य अभियान रुकवाने का दावा दोहराया, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने सार्वजनिक रूप से कभी इस दावे के खंडन नहीं किया, मैं बाद चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने स्वीकार किया था कि शुरुआती चरण में टैक्टिकल गलतियों के कारण भारत को नुकसान उठाना पड़ा, हालांकि बाद में रणनीतिक सुधार कर पाकिस्तान के भीतर सटीक कार्रवाई की गई।

-जयराम रमेश, प्रभारी, कांग्रेस संचार विभाग

### अपने विचार रखें...

हम पाठकों के साथ ही वरिष्ठ स्तंभकारों, लेखकों को सम्पादकीय पेज हेतु आलेख अथवा जनमानस से जुड़े मुद्दों पर अपनी राय भेजने के लिए आमंत्रित करते हैं, सम्पादकीय पेज पर प्रकाशित किसी भी लेख से सम्पादक अथवा संस्थान का सहमत होना आवश्यक नहीं है, यह लेखक के अपने निजी विचार होते हैं। सम्पादकीय डेस्क, शाह टाइम्स पत्राचार: शाह टाइम्स, सुजड़ चुंगी, मेरठ रोड मुजफ्फरनगर, पिन कोड-251003 Dainikshaatimes@gmail.com

# वीडियो बनाने की बजाए जान बचाना जरूरी

आज 8 मई है यानी कि विश्व रेडक्रॉस दिवस। नाम सुनते ही दिमाग में क्या आता है? खून की बोलें, पेटिटिया और सफेद झंडे वाली गाड़ी। है न? लेकिन रेड क्रॉस इससे कहीं ज्यादा चतपटा है। यह वो तडका है जो इंसानियत की दाल में स्वाद भर देता है। आज 8 मई है हेनरी डब्ल्यू. जॉन्स का जन्मदिन है। स्विट्जरलैंड का यह बंदा बीते सन 1859 में इटली देश में सोलफेरिनो की लड़ाई देखने पहुंच गया था। चारों तरफ लाशें, घायल कराह रहे थे। न डॉक्टर, न दवा। डब्ल्यू. जॉन्स ने गांववालों को इकट्ठा किया और बोला भाई ए अपना है या पराया इस बात को तुरंत छोड़ो। पहले पट्टी बांधो। बस वही से रेड क्रॉस का बीज पड़ गया। सोचो एक टूरिस्ट ने कैसे दुनिया बदल दी और हम हैं कि देहरादून या दिल्ली जाकर सेल्फी लेकर लौट आते हैं। रेड क्रॉस का सबसे चतपटा उसूल है निष्पक्षता। युद्ध में ए दुश्मन के घायल सिपाही को भी पानी पिलाते हैं। बाढ़ आए तो ए नहीं पूछते कि आधार कार्ड दिखाओ। कश्मीर से कन्याकुमारी तक, यूक्रेन से गाजा तक, जहां गोली चलती है, ए पट्टी लेकर खड़ा मिलता है। बिना वर्दी और भी बिना हथियार के। बस एक लाल क्रॉस का निशान और कलेजा 56 इंच का। आपने ब्लड बैंक में रक्तदान महादान है का बोर्ड तो देखा होगा। इसके पीछे 80 प्रतिशत मेहनत रेड क्रॉस की ही है। गर्मी में जब एसी की हवा खा रहे होते हो तब कहीं कोई वॉलंटियर 4.5 डिग्री में कैप लगाकर आपसे कह रहा होता है भैया। यूनिट दे दो



किसी की जान बच जाएगी और हम बहाना मार देते हैं कि आज तो वीकनेस है फिर कभी। अरे बड़े सुई का डर है तो जरा उन माताओं से पूछो जिनके बच्चे थैलेसीमिया से हर 15 दिन में खून चढ़वाते हैं। छह वर्ष पहले भी अपने यहाँ रेडक्रॉस सोसायटी के वॉलंटियर कारोना में राशन बांटे देखे थे। पिछले वर्ष जब ओले पड़े थे तो सबसे पहले इन्हीं लडकों ने कंबल बांटे थे। न फोटो की भूख थी और ना ही किसी नेता के साथ सेल्फी का चक्कर था। काम खत्म तो घर

की राह। खून दो साल में 2 बार। शरीर फिट पुण्य हिट। वॉलंटियर बनो फर्सट एड सीख लो। आला एक्सपर्ट देखकर वीडियो बनाने से बेहतर है आप किसी की जान बचाओ। अफवाह नहीं मयद फैलाओ रेड क्रॉस का निशान देखो तो तुरंत रास्ता दो, एम्बुलेंस को साइड दे दो। रेड क्रॉस वालों का कोई धर्म नहीं होता। इनका धर्म है दर्द। जहां दर्द दिखा ए मरहम बन गए। हेनरी डब्ल्यू. जॉन्स को इसके लिए पहला नोबेल शांति पुरस्कार मिला था। पर असली पुरस्कार तो वो



कश्मीर से कन्याकुमारी तक, यूक्रेन से गाजा तक, जहां गोली चलती है, यह पट्टी लेकर खड़ा मिलता है। बिना वर्दी और भी बिना हथियार के। बस एक लाल क्रॉस का निशान और कलेजा 56 इंच का। आपने ब्लड बैंक में रक्तदान महादान है का बोर्ड तो देखा होगा। इसके पीछे 80 प्रतिशत मेहनत रेड क्रॉस की ही है। गर्मी में जब एसी की हवा खा रहे होते हो तब कहीं कोई वॉलंटियर 4.5 डिग्री में कैप लगाकर आपसे कह रहा होता है भैया। यूनिट दे दो किसी की जान बच जाएगी और हम बहाना मार देते हैं कि आज तो वीकनेस है फिर कभी।

दुआएं हैं जो किसी मां ने अपने बच्चे की जान बचने पर दी होगी। तो अब आप इस 08 मई को एक वादा करो। खून देने से डर लगे तो कम से कम किसी का दिल तो नही दुखाओगे क्योंकि रेड क्रॉस कहता है कि इंसानियत जिंदाबाद बाकी सब बाद। हैप्पी वल्ड रेड क्रॉस डे।

# बंगाल की जीत के शिल्पकार : सुनील बंसल का रणनीति मॉडल

भारतीय राजनीति में चुनावी जीत केवल जनसभाओं, नारों और चेहरे के आकर्षण से नहीं मिलती, बल्कि इसके पीछे एक मजबूत संगठन, सूक्ष्म रणनीति और जमीनी स्तर पर निरंतर काम करने वाले कुशल प्रबंधकों की बड़ी भूमिका होती है। पश्चिम बंगाल जैसे जटिल और राजनीतिक रूप से संवेदनशील राज्य में भारतीय जनता पार्टी की बढ़ती ताकत के पीछे जिस नाम की चर्चा लगातार होती रही है, वह है सुनील बंसल। भले ही चुनावी मैदान में चेहरा नरेंद्र मोदी का रहा हो, लेकिन संगठन की जड़ों को मजबूत करने और जीत की नींव तैयार करने का श्रेय काफी हद तक बंसल के रणनीतिक कौशल को दिया जाता है।



संगठन को पुनर्गठित किया। हर बुथ को एक मिनी चुनाव इकाई के रूप में विकसित किया गया, जिसमें स्थानीय कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी गई। उत्तर प्रदेश मॉडल: सुनील बंसल का सबसे बड़ा राजनीतिक प्रयोग उत्तर प्रदेश में देखा गया था। 2014 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने संगठनात्मक ढांचे को इस तरह से खड़ा किया कि भारतीय जनता पार्टी को 73 सीटों का ऐतिहासिक जीत मिली। यहां उन्होंने जो मॉडल अपनाया, वही बाद में अन्य राज्यों में लागू किया गया।

हर बुथ पर सक्रिय कार्यकर्ता माइक्रो मैनेजमेंट जातीय और सामाजिक समीकरणों का संतुलन चुनावी डेटा का विश्लेषण: यही मॉडल पश्चिम बंगाल में भी लागू किया गया, हालांकि वहां की परिस्थितियां बिल्कुल अलग थीं। पश्चिम बंगाल: पश्चिम बंगाल में राजनीति लंबे समय तक क्षेत्रीय दलों और वामपंथी विचारधारा के प्रभाव में रही है। यहां संगठन खड़ा करना आसान नहीं था। बंसल ने इस चुनौती को अवसर में बदला-

1. स्थानीय नेतृत्व का निर्माण उन्होंने बाहर से नेतृत्व थोपने के बजाय स्थानीय चेहरों को आगे बढ़ाया।
2. सांस्कृतिक और सामाजिक समझ बंगाल को संस्कृति, भाषा और स्थानीय मुद्दों को समझते हुए रणनीति बनाई गई।
3. विस्तृत संपर्क अभियान घर-घर संपर्क, छोटे समूहों की बैठकों और निरंतर संवाद उनकी रणनीति का हिस्सा रहे।
4. संगठन महामंत्री से राष्ट्रीय महामंत्री तक: 2022 में जब सुनील बंसल को राष्ट्रीय महामंत्री बनाया गया, तो यह उनकी संगठनात्मक क्षमता की मान्यता

थी। इसके साथ ही उन्हें तेलंगाना और ओडिशा जैसे राज्यों का प्रभार भी दिया गया। इससे साफ है कि पार्टी नेतृत्व उन्हें एक टास्क स्पेशलिस्ट के रूप में देखता है, जो कटिन राज्यों में संगठन खड़ा करने में माहिर हैं।

विद्यार्थी परिषद से राजनीति तक का सफर: सुनील बंसल की राजनीतिक यात्रा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से शुरू हुई। यहां उन्होंने संगठन की बारीकियां सीखीं। ABVP में रहते हुए उन्होंने छात्र राजनीति में नेटवर्किंग सीखी कार्यकर्ताओं को प्रेरित करने सीखा। संघर्ष और अनुशासन का अभ्यास किया यही अनुभव बाद में उनकी रणनीतियों की नींव बना। सुनील बंसल की रणनीति को कुछ प्रमुख सिद्धांतों में समझा जा सकता है-

1. डेटा इज पावर
2. कार्यकर्ता ही असली ताकत
3. निरंतर फीडबैक
4. स्थानीय मुद्दों पर फोकस

पश्चिम बंगाल में रणनीति के प्रमुख आयाम

1. बुथ मैनेजमेंट
2. पन्ना प्रमुख मॉडल
3. डिजिटल और सोशल मीडिया
4. सामाजिक समीकरण

नेतृत्व के साथ तालमेल: सुनील बंसल की सबसे



बड़ी ताकत यह है कि वे शीघ्र नेतृत्व के विजन को जमीनी स्तर पर लागू करना जानते हैं। नरेंद्र मोदी और अन्य नेताओं के संदेश को उन्होंने कार्यकर्ताओं तक प्रभावी तरीके से पहुंचाया। सरल व्यक्तित्व, मजबूत रणनीतिकार: व्यक्तिगत जीवन में सुनील बंसल बेहद सरल और सहज माने जाते हैं। वे प्रचार से दूर रहकर काम करने में विश्वास रखते हैं। कम बोला, ज्यादा काम करना टीम पर भरोसा अनुशासन और समय प्रबंधन निरंतर सीखने की प्रवृत्ति आलोचना और चुनौतियां जहां एक ओर उनकी रणनीतियों की सराहना होती है, वहीं कुछ आलोचनाएं भी सामने आती हैं।



# अमेरिकी प्रस्ताव की समीक्षा कर रहा है ईरान

## अपने रुख को अंतिम रूप देने के बाद पाकिस्तानी मध्यस्थों को जवाब देगा तेहरान

CMYK

वाशिंगटन/तेहरान। ईरान के विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की है कि युद्ध समाप्त करने संबंधी अमेरिकी प्रस्ताव अभी 'समीक्षाधीन' है और ईरान अपने रुख को अंतिम रूप देने के बाद पाकिस्तानी मध्यस्थों को जवाब देगा। ईरान की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय आई है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने युद्ध जल्द समाप्त होने की संभावना जताई है। ट्रम्प ने जॉर्जिया में रिपब्लिकन समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले 24 घंटों में ईरान के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई है और समझौते की संभावना है।

मुझे लगता है कि हम जीत गए। उन्होंने कहा कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के उनके प्रयासों के कारण यदि अमेरिकियों को ईंधन कोषों में जैसी अल्पकालिक आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, तो वह अस्थायी होगा। अमेरिकी मीडिया संस्थान एक्सियोस की रिपोर्ट के अनुसार व्हाइट हाउस ईरान के साथ 14 बिंदुओं वाले एक समझौते जापान के करीब पहुंच सकता है, जो आगे परमाणु वार्ता के लिए

पिछले 24 घंटों में ईरान के साथ अच्छी बातचीत हुई है और समझौते की संभावना: ट्रम्प

ट्रम्प ने युद्ध 'जल्द' खत्म होने का जताया अनुमान

रूपरेखा का काम करेगा। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका और ईरान एक ऐसे समझौते पर काम कर रहे हैं, जिससे युद्धविराम लागू हो सके और 30 दिनों के भीतर परमाणु मुद्दे, ईरानी संपत्तियों को मुक्त करने तथा होमजुज जलदमरूमध्य में नौवहन की स्वतंत्रता जैसे विवादित मुद्दों पर समाधान निकाला जा सके। ट्रम्प ने पीबीएस न्यूज से कहा कि किसी भी समझौते के तहत ईरान को अपने उच्च संवर्धित यूरैनियम को अमेरिका भेजना होगा और भूमिगत परमाणु सुविधाएं बंद करनी होंगी। दूसरी ओर, ईरान में इस प्रस्ताव को लेकर मतभेद दिखाई दे रहे हैं। ईरानी संसद के एक वरिष्ठ सदस्य ने प्रस्ताव को 'अमेरिका की इच्छाओं की चुनौती' बताया, जबकि एक अन्य अधिकारी ने चेतावनी दी कि

यदि अमेरिका आवश्यक रियायतें नहीं देता है तो ईरान 'कठोर जवाब' देगा जिससे अमेरिका को पछतावा होगा। ईरान की संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति के प्रवक्ता इब्राहिम रेजाई ने कहा कि अमेरिका युद्ध में वह हासिल नहीं कर पाएगा जो वह प्रत्यक्ष वार्ता में नहीं पा सका। उन्होंने कहा कि ईरान पूरी तरह तैयार है। दूसरी ओर ट्रम्प ने ट्यूथ सोशल पर चेतावनी दी कि यदि ईरान समझौता अस्वीकार करता है तो बमबारी फिर शुरू होगी और पहले से कहीं अधिक तीव्र होगी। इस बीच, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ट्रम्प प्रशासन के अधिकारियों के साथ वार्ता कर बातचीत की प्रगति की जानकारी ली। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि वह ईरान और अमेरिका के बीच संभावित समझौते के संकेतों का स्वागत करता है, लेकिन मध्यस्थ होने के नाते वह बातचीत का विवरण सार्वजनिक नहीं करेगा। मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान युद्धविराम को स्थायी शान्ति में बदलने के प्रयास कर रहा है और यदि अगले दौर की वार्ता इस्लामाबाद में होती है तो यह उसके लिए सम्मान की बात होगी।

# नॉर्वे 'पैक्स सिलिका पहल' में हुआ शामिल

वाशिंगटन। महत्वपूर्ण खिन्जों की आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित करने और वैश्विक कृत्रिम बुद्धिमत्ता पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के उद्देश्य से विकसित अंतर्राष्ट्रीय गठबंधन 'पैक्स सिलिका' में नॉर्वे आधिकारिक तौर पर शामिल हो गया है। पैक्स सिलिका के सदस्य के रूप में नॉर्वे विविध महत्वपूर्ण खिन्ज आपूर्ति श्रृंखलाओं को विकसित करने में अग्रणी भूमिका निभाएगा। अमेरिका में नॉर्वे की राजदूत अन्निकेन हूडफेल्ड ने वाशिंगटन डीसी में 'पैक्स सिलिका' का घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए। इसके साथ ही नॉर्वे इस पहल में शामिल होने वाला 15वां देश बन गया है। इस गठबंधन में ऑस्ट्रेलिया, फिनलैंड, भारत, इजरायल, जापान, फिलीपींस, कतर, दक्षिण कोरिया, सिंगापूर, स्वीडन, संयुक्त अरब अमीरात, ब्रिटेन और अमेरिका जैसे देश पहले से शामिल हैं।



कोलकाता। बारिश के दौरान छाता लेकर चलते लोग।

# ऑपरेशन सिंदूर की वर्षगांठ पर सशस्त्र बलों की वीरता की सराहना

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की वर्षगांठ पर गुरुवार को भारतीय सशस्त्र बलों की वीरता और बलिदान की सराहना की। उप राज्यपाल ने एक बयान में कहा कि आज जब हम ऑपरेशन सिंदूर की वर्षगांठ मना रहे हैं, हम वर्दीधारी उन पुरुषों और महिलाओं के प्रति श्रद्धापूर्वक नमन करते हैं, जिनके अटूट संकल्प और असाधारण साहस ने पहलगाम में निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाने वाले दुश्मन को कारागार जवाब दिया था। सिन्हा ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर संकल्प के साथ उकेरी गई एक ऐसी घोषणा है, जो यह बताती है कि हमारे बहादुर सशस्त्र बल किसी भी कीमत पर देश की संप्रभुता और अखंडता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। उप राज्यपाल सिन्हा ने कहा कि यह भारत के दृढ़ संकल्प का प्रमाण है और हम आतंकवादी नेटवर्क को ध्वस्त करने तथा आतंकवाद मुक्त जम्मू-कश्मीर सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

# पाकिस्तान में पोलियो वायरस के पांच नए मामले आए सामने

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में पोलियो वायरस एक बार फिर गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बनता जा रहा है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कराची के सोबेज और अन्य स्थानों से लिए गए पांच नमूनों में पोलियो वायरस की पुष्टि हुई है। इस घटनाक्रम ने स्वास्थ्य अधिकारियों को चिंता बढ़ा दी है। सिंध में आयोजित एक परामर्श बैठक के दौरान शहरवार ममन ने बताया कि कराची में वायरस की मौजूदगी इस बात का संकेत है कि संक्रमण अब भी फैल रहा है। उन्होंने कहा कि आमतौर पर कम संक्रमण वाले मसौमे में भी वायरस का सक्रिय रहना बेहद चिंताजनक है और इसके लिए तत्काल सख्त कदम उठाने की जरूरत है। यह बैठक सिंध इंस्टीट्यूट ऑफ चाइल्ड हेल्थ एंड नियोनेटोलॉजी में आयोजित की गई थी, जिसमें यूनिसेफ, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ), बिल एंड मैलिंडा गेट्स फाउंडेशन, पाकिस्तान पीडियाट्रिक एसोसिएशन और पाकिस्तान मेडिकल एसोसिएशन सहित कई संस्थाओं के विशेषज्ञ शामिल हुए।

# 48 घंटे भी नहीं टिका ऑपरेशन प्रोजेक्ट फ्रीडम

## ट्रम्प को झटका, होमजुज स्ट्रेट में फंसे 1600 जहाज, शिपिंग कंपनियों को हो रहा भारी नुकसान

दुबई। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने हाल ही में होमजुज स्ट्रेट में फंसे जहाजों के ट्रांजिट के लिए प्रोजेक्ट फ्रीडम की शुरुआत की थी। हालांकि, अमेरिकी मीडिया ने बताया कि होमजुज में 1600 के करीब जहाज फंसे हुए हैं और ट्रम्प का प्रोजेक्ट फ्रीडम 48 घंटे तक ही टिक पाया। अमेरिकी मीडिया सीएनएन के अनुसार, लगभग 1600 जहाज अब भी होमजुज स्ट्रेट के पास फंसे हुए हैं, शिपिंग कंपनियों को एक महंगी और जोखिम भरी स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। वे दो महीने से ज्यादा समय से पानी के रास्ते से निकलने का मौका ढूँढ रही हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का जहाजों को स्ट्रेट से गाइड करने का ऑपरेशन सिर्फ 48 घंटे चला।



राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का जहाजों को स्ट्रेट से गाइड करने का ऑपरेशन सिर्फ 48 घंटे चला

सिर्फ दो जहाजों को ही गाइड किया गया। अब, फिर से कंपनियों अकेले ट्रांजिट का रिस्क उठाने को तैयार नहीं हैं। जहाजों को जाने देने से कार्गो और स्टाफ दोनों को खतरा होगा। हाल ही में दक्षिण कोरिया के जहाज पर धमाके की जानकारी सामने आई थी, जिसे लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया था कि ये हमला ईरान की तरफ से किया गया। हालांकि, ईरान की तरफ से अब इस मामले में आधिकारिक

बयान सामने आया है। ईरान ने दक्षिण कोरिया के जहाज पर हमले से साफ इनकार कर दिया है। दक्षिण कोरिया में ईरानी दूतावास की तरफ से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया कि इस्लामिक रिपब्लिक आफ ईरान की दूतावास, होमजुज स्ट्रेट में एक कोरियाई जहाज को नुकसान पहुंचाने वाली घटना में ईरान की सेना के शामिल होने के किसी भी आरोप को पूरी तरह से खारिज करती है और साफ तौर पर मना करती है। जब से अमेरिका और इजरायली सरकार ने ईरान के खिलाफ आक्रामक कार्रवाई की है, ईरान ने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि होमजुज स्ट्रेट हमलावरों और उनके

# ट्रम्प-रुबियो के विरोधामासी बयानों से ईरान युद्ध पर बड़ी अनिश्चितता

वाशिंगटन। ईरान को लेकर अमेरिका के भीतर अलग-अलग संकेत सामने आए हैं। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने ऑपरेशन एपिक फ्यूरी को सफल बताते हुए वार्ता का संकेत दिया, जबकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने समझौता न होने पर दोबारा सैन्य कार्रवाई की चेतावनी दी। ईरान के खिलाफ अमेरिका और इस्राइल के सैन्य अभियान ऑपरेशन एपिक फ्यूरी को लेकर अमेरिकी प्रशासन के भीतर ही अलग-अलग संकेत सामने आने लगे हैं। एक तरफ विदेश मंत्री मार्को रुबियो का कहना है कि अभियान अपने लक्ष्य हासिल करने के बाद समाप्त हो चुका है और अब वाशिंगटन वार्ता के जरिए समाधान चाहता है। दूसरी ओर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चेतावनी दी है कि यदि ईरान प्रस्तावित समझौते पर सहमत नहीं हुआ तो सैन्य हमले फिर शुरू हो सकते हैं और उनकी तीव्रता पहले से अधिक होगी। इसी बीच होमजुज जलमार्ग में जहाजों की सुरक्षा के लिए शुरू किया गया अमेरिकी मिशन प्रोजेक्ट फ्रीडम भी फिलहाल रोक दिया गया है।

समर्थकों का मुकाबला करने में उसकी सुरक्षा का एक जरूरी हिस्सा है। ईरानी दूतावास ने आगे कहा कि इस मामले में इस अहम जलमार्ग से नैविगेशन पर असर सुरक्षा की बदलती स्थिति से पड़ा है और यह पहले के समय की स्थितियों से अलग है, क्योंकि यह इलाका दुश्मन ताकतों और उनके साथियों की कार्रवाइयों से पैदा होने वाले बढ़ते तनाव का सामना कर रहा है। इसलिए, होमजुज स्ट्रेट से सुरक्षित गुजरने के लिए लागू

नियमों का पूरा पालन करना, जारी की गई चेतावनियों पर ध्यान देना, तय रास्तों पर चलना और ईरान की सक्षम अधिकारियों के साथ तालमेल बिठाना जरूरी है। दक्षिण कोरिया में ईरानी दूतावास ने अपने बयान में आगे कहा, प्यह साफ है कि ऐसे हालात में, सैन्य और सुरक्षा तनाव से प्रभावित माहौल में बताई गई जरूरतों और ऑपरेशनल हकीकतों को नजरअंदाज करने से अनचाही घटनाएं हो सकती हैं।

# चीन के दो पूर्व रक्षा मंत्रियों को मौत की सजा

बीजिंग। चीन ने भ्रष्टाचार के मामलों में दो पूर्व रक्षा मंत्री ली शांगफू और वेई फेंगहे को मौत की सजा सुनाई है। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक, दोनों को पहले 2 साल जेल में रखा जाएगा। अगर वह दो साल तक कोई नया अपराध नहीं करता तो सजा को आजीवन कारावास में बदला जा सकता है।

ली शांगफू को पिछले साल अचानक पद से हटाया गया था, जबकि वेई फेंगहे भी सैन्य भ्रष्टाचार जांच के दायरे में आए थे। जिसके बाद दोनों को 2024 में चीन की सतारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी से निष्कासित किया गया था। यह कार्रवाई राष्ट्रपति शी जिनपिंग के भ्रष्टाचार विरोधी अभियान का हिस्सा है। पिछले कुछ वर्षों में चीन की सेना और रक्षा से जुड़े कई वरिष्ठ अधिकारियों पर कार्रवाई की गई है। चीन के पूर्व रक्षा मंत्री ली शांगफू को पिछले साल अक्टूबर में अचानक पद से हटा दिया गया था। वे करीब दो महीने तक सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आए थे, जिससे कई तरह की अटकलें शुरू हो गई थीं। अब पहली बार चीनी अधिकारियों ने आधिकारिक तौर पर स्वीकार किया है कि उनके खिलाफ भ्रष्टाचार से जुड़ी जांच चल रही थी। सैन्य अनुशासन जांच एजेंसी ने पाया कि ली ने गंभीर रूप से पार्टी अनुशासन और कानून का उल्लंघन किया। उन पर बड़े पैमाने पर रिश्वत लेने, दूसरों को रिश्वत देने और पद का दुरुपयोग करने के आरोप लगाए गए हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि ली की गतिविधियों से सेना के हथियार डेवलपमेंट और मिलिट्री इन्वैस्टमेंट की इमेज को भारी नुकसान पहुंचा। चीन के पूर्व रक्षा मंत्री वेई फेंगहे पर रिश्वत लेने और अपने पद का गलत इस्तेमाल करने के आरोप लगाए गए हैं। चीन की सैन्य अदालत ने उन्हें भ्रष्टाचार का दोषी माना है।

# बांग्लादेश की तीसरा परियोजना में चीन की एंट्री

## ढाका-बीजिंग की बढ़ती साझेदारी पर भारत की नजर

बीजिंग। बांग्लादेश की नई सरकार ने तीस्ता नदी परियोजना को लेकर चीन का समर्थन औपचारिक रूप से मांग लिया है। यह कदम भारत और बांग्लादेश के रिश्तों पर असर डाल सकता है।



रिश्तों पर असर डाल सकता है बांग्लादेश का कदम

बुधवार को बीजिंग में बांग्लादेश के विदेश मंत्री खालिदुर रहमान और चीन के विदेश मंत्री वांग यी के बीच हुई बैठक में तीस्ता रिवर कामिप्रॉजेक्ट मैनेजमेंट एंड रिस्टोरेशन प्रोजेक्ट पर चर्चा हुई। तीस्ता नदी पूर्वी हिमालय से निकल कर सिक्किम और पश्चिम बंगाल से गुजरते हुए बांग्लादेश में प्रवेश करती है। यह नदी बांग्लादेश में सिंचाई और लाखों लोगों की आजीविका का प्रमुख स्रोत मानी जाती है। बैठक में वांग यी ने नई बांग्लादेश सरकार के प्रति चीन का समर्थन जताते हुए कहा कि चीन, वेल्फेयर

रोड सहयोग को बांग्लादेश की विकास रणनीतियों के साथ जोड़ने और आर्थिक, बुनियादी ढांचे व लोगों के बीच संपर्क जैसे पारंपरिक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि चीन बांग्लादेश में निवेश के लिए अपनी कंपनियों को भी प्रोत्साहित करेगा। चीनी विद. मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि चीन का बांग्लादेश और दक्षिण एशिया के अन्य देशों के

साथ संबंध किसी तीसरे पक्ष को निशाना बनाकर नहीं बनाए जा रहे हैं और न ही किसी तीसरे पक्ष के कारण प्रभावित होने चाहिए। तारीक रहमान के नेतृत्व वाली नई सरकार के सत्ता में आने के बाद विदेश मंत्री खालिदुर रहमान की यह पहली चीन यात्रा है। वह 5 मई को चीन पहुंचे थे और गुरुवार को लौटने वाले हैं। इससे पहले पिछले महीने उन्होंने भारत का भी दौरा किया था। उनकी

# कनाडा को छोड़ अलग देश बन सकता है अल्बर्टा

ओटावा। कनाडा के पश्चिमी प्रांत अल्बर्टा को अलग देश बनने की मांग और ज्यादा तेज हो गई है। अलगाववादियों ने बुधवार को दावा किया है कि उन्होंने इतना समर्थन जुटा लिया है कि अब स्वतंत्रता पर जनमत संग्रह (रेफरेंडम) करया जा सकता है। अलगाववादी नेताओं के मुताबिक, उन्होंने करीब 3 लाख हस्ताक्षर चुनाव अधिकारियों को सौंपे हैं, जबकि इसके लिए 1.78 लाख दस्तखत की जरूरत थी।

मांग तेज हुई, अक्टूबर में वोटिंग संभव, अलगाववादियों ने तीन लाख हस्ताक्षर जुटाए

अंदोलन के नेता मिच विलवेस्ट्रे ने इसे ऐतिहासिक दिन बताया और कहा कि अब यह लड़ाई अगले चरण में पहुंच गई है। हालांकि इतना समर्थन जुटा लेने का मतलब यह नहीं है कि रेफरेंडम पक्का हो गया है। अलगाववादी नेताओं के मुताबिक, उन्होंने करीब 3 लाख हस्ताक्षर चुनाव अधिकारियों को सौंपे हैं, जबकि इसके लिए 1.78 लाख दस्तखत की जरूरत थी।

अलगाववादी नेताओं के मुताबिक, उन्होंने करीब 3 लाख हस्ताक्षर चुनाव अधिकारियों को सौंपे हैं, जबकि इसके लिए 1.78 लाख दस्तखत की जरूरत थी।

अंदोलन के नेता मिच विलवेस्ट्रे ने इसे ऐतिहासिक दिन बताया और कहा कि अब यह लड़ाई अगले चरण में पहुंच गई है। हालांकि इतना समर्थन जुटा लेने का मतलब यह नहीं है कि रेफरेंडम पक्का हो गया है। अलगाववादी नेताओं के मुताबिक, उन्होंने करीब 3 लाख हस्ताक्षर चुनाव अधिकारियों को सौंपे हैं, जबकि इसके लिए 1.78 लाख दस्तखत की जरूरत थी।

**यौन समस्याएं**

(यौन समस्याओं के विशेषज्ञ)

पुराने से पुराने यौन रोग के मरीज एक बार अवश्य मिलें

**डा. सम्राट**

नशामुक्ति, शराब, बीडी, सिगरेट, गुटखा तम्बाकू, प्रोक्सीवॉन कैप्सूल अपफीम, चरस, डोडे पोस्ट हेजेक्शन व अन्य नशा छुड़ाने का स्थायी ईलाज।

**नावल्टी सिनेमा चौक मुजफ्फरनगर (यू.पी.)**

**M-941221108**

# अमेरिकी अदालत से भारतीय मूल के विशेषज्ञ एशले को बड़ी राहत

वाशिंगटन। भारतीय मूल के विशेषज्ञ एशले जे. टेलिस के खिलाफ चल रहे जासूसी कानून से जुड़े मामले में अमेरिकी अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। वजीनिया की एक संघीय अदालत ने तकनीकी कानूनी आधार पर यह मामला खारिज कर दिया। अदालती आदेश में कहा गया कि याचिका स्वीकार की गई और मामला बिना किसी पूर्वग्रह के खारिज किया गया।

अमेरिका के वजीनिया स्थित यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के जज माइकल एस. नाचमैनफा ने 16 अप्रैल को टेलिस की याचिका स्वीकार करते हुए केस को खारिज करने का आदेश दिया। अदालत ने माना कि अभियोजन पक्ष ने आरोप कानूनी प्रावधान के तहत आरोप लगाए थे। टेलिस अमेरिका की विदेश शांति, राष्ट्रीय सुरक्षा और इंडो-पैसिफिक मामलों के जाने-माने विशेषज्ञ माने जाते हैं। उन पर आरोप था कि उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े गोपनीय दस्तावेज

**उ.प्र. शासन एवं उत्तर प्रदेश होम्योपैथिक मेडिसिन बोर्ड लखनऊ द्वारा मान्यता प्राप्त**

प्रदेश के निजी क्षेत्र में संचालित संस्थाओं में होम्योपैथिक भेषजिक (फार्मासिस्ट) के दो वर्षीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम हेतु डिप्लोमा इन होम्योपैथिक फार्मसी

**प्रवेश परीक्षा 2026-27**

**महर्षि चरक पैरा मेडिकल कॉलेज देवबन्द जिला सहरानपुर (उ०प्र०) सीटें 100**

**मो. 9368119199, 7983332502**

शैक्षिक योग्यता एचम शर्त- इंटर मीडिएट विज्ञान वर्ग अथवा मान्यता प्राप्त समकक्ष योग्यता इण्टर मीडिएट परीक्षा में सम्मिलित छात्र भी पात्र होंगे अभ्यर्थी को उत्तर प्रदेश का मूल निवासी होने का प्रमाण-पत्र सक्षम प्राधिकारी से जारी देना होगा। अभ्यर्थी की आयु 31 अगस्त 2026 को 17 वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए। अन्य विस्तृत जानकारी एवं आवेदन पत्र प्रशिक्षण केन्द्रों से या वेबसाइट [www.mcgcdoband.com](http://www.mcgcdoband.com) के द्वारा दिनांक 31 मई 2026 सायं 5.00 बजे तक 500.00 (परीक्षा शुल्क सहित) नकद अथवा डी.डी. के माध्यम से जमा कर प्राप्त कर सकते हैं।

**प्रवेश परीक्षा 2026-27 डी.एच.पी. (संयोजक)**

**महर्षि चरक पैरा मेडिकल कॉलेज देवबन्द जिला सहरानपुर (उ०प्र०)**

**देश/विदेश से एम.बी.बी.एस. एवं रुडी वीजा के लिए सम्पर्क करें**

- रशिया
- जॉर्जिया
- कजाखस्तान
- किर्गिस्तान
- उजबेकिस्तान
- बांग्लादेश
- नेपाल
- चाइना
- ईरान
- इजिप्ट
- यू.के.
- कनाडा
- यू.एस.ए.

**अनुम कलीम (एम.डी.) 8384872313 9457439020**

**M.B.B.S./M.D.**

**BDS, BAMS, BUMS, BEMS**

Abroad Admission & Counselling For India

- Top Govt. Universities.
- MCI, WHO Approved Universities.
- Indian Hostel & Mess Available.
- Lowest Price Packages.
- Boys/Girls Hostels Are Separates Available.

**अपना एम.बी.बी.एस. 25 से 27 लाख में पूरा करें**

**जिसमें ट्यूशन फीस, हॉस्टल फीस, खाना 3 टाइम (वेज/नॉनवेज), वीजा एक्सटेंशन, इश्योरेंस, मेडिकल, ट्रांसपोर्टेशन, लॉन्ड्री, एफ.एम.जी. ई. कॉविंग, 15 इंडियन बेट्ट फेकल्टी के द्वारा वीजा रखी है 471 वर्थी जनवरी एफ.एम.जी.ई. एक्जाम में पास हुए (अन्य कोई खर्चा नहीं)**

[www.mbbbsbijnor.com](http://www.mbbbsbijnor.com)

ADD : MBBS ABROAD CONSULTANCY, MOIN KA CHAURAHA, CHAHSHIREEN JAMA MASJID, B-21, BIJNOR (U.P.)

CMYK

CMYK